

- (1) आचार्य यादवजी त्रिकम जी के अनुसार अवलेह की प्रयोज्य मात्रा है ?
(a) 1 कर्ष
(b) 4 पल
(c) 1 तोला
(d) a + c
- (2) 'अष्टावुदरजान् रोगान् क्षयमुग्रं । – किसके लिए कहा गया है ?
(a) कुमार्यासव
(b) अमृतारिष्ट
(c) द्राक्षारिष्ट
(d) अर्जुनारिष्ट
- (3) शार्ङ्गधर के अनुसार प्राण वायु का स्थान है ?
(a) हृदय
(b) नाभि
(c) शिर
(d) उरः
- (4) अष्टांग हृदयानुसार आमाशय आश्रित पित्त है ?
(a) पाचक पित्त
(b) रञ्जक पित्त
(c) साधक पित्त
(d) भ्राजक पित्त
- (5) सार के ज्ञान से किसका विशेष ज्ञान होता है ?
(a) बल
(b) आयु
(c) सौभाग्य
(d) आरोग्य
- (6) 'भुक्त्वा च स्वपतां दिवा' किस स्रोत्रस् दुष्टि का हेतु है ?
(a) मेदोवह स्रोत्रस्
(b) मांसवह स्रोत्रस्
(c) अस्थिवह स्रोत्रस्
(d) मज्जावह स्रोत्रस्
- (7) 'त्वकशोष स्पर्शवैगुण्य' किसका लक्षण है ?
(a) रसक्षय
(b) स्वेदक्षय
(c) कफक्षय
(d) रक्तक्षय
- (8) 'तन्द्रा निद्रा' आदि लक्षण पाया जाता है ?
(a) ओजक्षय
(b) बलव्यापद्
(c) ओजव्यापद्
(d) ओजव्यापद् + बलव्यापद्

(9) 'बलभ्रंश' किसका लक्षण है ?

- (a) ओजक्षय
- (b) ओजव्यापद्
- (c) ओजविस्त्रंस
- (d) साम दोष

(10) 'विडपाक' हेतु प्रयुक्त यन्त्र है ?

- (a) दीपिका यन्त्र
- (b) कच्छप यन्त्र
- (c) हंसपाक यन्त्र
- (d) गर्भ यन्त्र

(11) द्रावक गण में सम्मिलित है ?

- (a) गुड
- (b) गुञ्जा
- (c) गुग्गुलु
- (d) उपर्युक्त सभी

(12) Litharge है ?

- (a) HgS
- (b) HgO
- (c) PbS
- (d) PbO

(13) 'स्वर्णमाक्षिक' किसका घटक द्रव्य है ?

- (a) कुमारकल्याण रस
- (b) योगेन्द्र रस
- (c) वृहत् वातचिन्तामणि रस
- (d) हृदयार्णव रस

(14) 'प्रमेहदतयदोषघ्नं दीपनं चामवातनुत' किसके लिये कहा गया है ?

- (a) नाग
- (b) वंग
- (c) यशद
- (d) ताम्र

(15) बालक के दाहिने कुक्षि में आध्मान, श्वास तथा श्वासनली में शोथ किस व्याधि का लक्षण है ?

- (a) श्वसनक ज्वर
- (b) उत्फुल्लिका
- (c) कास
- (d) प्रतिश्याय

(16) आचार्य काश्यप मतानुसार बालकों में 'निष्क्रमण संस्कार' किस माह में करना चाहिये ?

- (a) प्रथम मास
- (b) पन्चम मास
- (c) चतुर्थ मास
- (d) षष्ठ मास

- (17) 'लेहन' योग्य है ?
- अक्षीरा जननी
 - अल्पक्षीरा जननी
 - दुष्टक्षीरा जननी
 - कल्याण मातृका
- (18) 'लेहन कर्म' हेतु प्रयुक्त किया जाता है ?
- पन्चगव्य घृत
 - संवर्धन घृत
 - अष्टांग घृत
 - उपर्युक्त सभी
- (19) आचार्य वाग्भट्ट मतानुसार वर्णित 'बालशोष' रोग में किन दोषों का समावेश होता है ?
- वात
 - कफ
 - वातकफ
 - त्रिदोष
- (20) निम्नलिखित में से किसका घटक द्रव्य धतूरा है ?
- सूतशेखर रस
 - उन्मादगजाकुंश रस
 - कनकासव
 - उपर्युक्त सभी
- (21) 'उरुस्तम्भहर' किसके लिए कहा गया है ?
- कुचला
 - धतूरा
 - गुञ्जा
 - भल्लातक
- (22) 'भल्लातक (Marking Nut)' का शोधन करते हैं ?
- गोदुग्ध
 - गोमूत्र
 - गोमूत्र + इष्टिका चूर्ण
 - इष्टिका चूर्ण + उष्णोदक
- (23) 'पञ्चशिरीष अगद' का प्रयोग चरकानुसार किस विष की चिकित्सार्थ प्रयुक्त किया जाता है ?
- अर्लक विष
 - सर्प विष
 - दूषी विष
 - सभी विषों में
- (24) मसूढ़ों पर नीली रेखाएं पडना, स्तब्धता तथा सन्यास किसकी विषाक्तता का लक्षण है ?
- संखिया
 - नाग
 - पारद
 - सभी धात्विय विष में

- (25) 'नक्तान्धता' किस दृष्टिगत रोग का लक्षण है ?
- नकुलान्ध्य
 - ह्रस्वजाड्य
 - श्लेष्मविदग्ध दृष्टि
 - धूमदर्शी
- (26) 'वैदूर्यवर्णा विमला च दृष्टि' किस दृष्टिगत रोग का लक्षण है ?
- सनिमित्त लिंगनाश
 - अनिमित्त लिंगनाश
 - द्वितीय पटलगत तिमिर
 - तृतीय पटलगत तिमिर
- (27) सुश्रुतानुसार याप्य नेत्र रोग की चिकित्सा हेतु प्रयुक्त करते हैं ?
- सिरामोक्षण
 - विरेचन
 - पुराण घृतपान
 - उपर्युक्त सभी
- (28) सुश्रुतानुसार कफज लिंगनाश में शस्त्रकर्म्मोपरान्त कितने – कितने दिनों पर पट्टबन्धन खोलने का निर्देश है ?
- त्र्यहात – त्र्यहात
 - पञ्चदश – पञ्चदश
 - द्वादश – द्वादश
 - मासात् पश्चात्
- (29) अञ्जन निषिद्ध है ?
- उदावर्त्त
 - ज्वर
 - शिरोदोष
 - उपर्युक्त सभी में
- (30) गर्भिणी में आस्थापन बस्ति किस माह में देनी चाहिये ?
- अष्टम माह
 - सप्तम माह
 - नवम माह
 - किसी माह में नहीं देनी चाहिए
- (31) कटिपृष्ठ में वेदना, बार-बार मल मूत्र त्याग की प्रवृत्ति तथा योनि मुख से श्लेष्मा स्राव किसका लक्षण है ?
- सद्योगृहीत गर्भा
 - प्रजायनी
 - उपस्थित प्रसवा
 - सैन्धव लवण
- (32) 'पुष्यानुग चूर्ण' का अनुपान है ?
- तण्डुलोदक
 - मधु + तण्डुलोदक
 - घृत + तण्डुलोदक
 - सैन्धव लवण + तण्डुलोदक

- (33) 'बीज न विन्दति' किस योनि रोग का लक्षण है ?
- अचरणा
 - अतिचरणा
 - अत्यानन्दा
 - विप्लुता
- (34) सुश्रुतानुसार सभी योनि रोगों में प्रातः काल निम्न का स्वरस पान करना चाहिए ?
- गुडूची
 - दूर्वा
 - रसोन
 - आमलकी
- (35) 'योनिकन्द' का वर्णन मिलता है ?
- माधव निदान
 - चरक संहिता
 - सुश्रुत संहिता
 - उपर्युक्त सभी
- (36) अनुवासन वस्ति की प्रयोज्य मात्रा है ?
- 3 प्रसृत
 - 6 पल
 - 6 प्रकुन्च
 - उपर्युक्त सभी
- (37) सुश्रुतानुसार स्त्रियों की उत्तर बस्ति में स्नेह की उत्तम मात्रा होती है ?
- स्वाङ्गुलीमूल सम्मितम्
 - 2 पल
 - 1 प्रसृत
 - उपर्युक्त सभी
- (38) 'तद् द्विविधम् – शिरोविरेचनं स्नेहनं च' किसके लिये कहा गया है ?
- नस्य
 - धूम्रपान
 - अञ्जन
 - कवल
- (39) 'अर्शास्यचेष्टा न च देहशुद्धिः मर्मोपघातो विषमा प्रसूति' किस रोग का निदान है ?
- कृमिज हृदयरोग
 - श्वयथु
 - उदर रोग
 - कामला
- (40) 'तिलक्षीरगुडादीनि ग्रन्थिस्तन्नोपजायते' किस रोग की सम्प्राप्ति से सम्बन्धित है ?
- कृमिज शिरोरोग
 - कृमिज हृदयरोग
 - मांस ग्रन्थि
 - दूष्योदर

- (41) 'यत्प्रयोजना कार्याभिवृत्तिरिष्यते' किसके लिए कहा गया है ?
- कार्ययोनि
 - कार्यफल
 - करण
 - कार्य
- (42) 'विस्तार वचन' –
- निर्देश
 - उद्देश्य
 - निर्णय
 - विधान
- (43) 'पीलुपाकवादी' है ?
- नैयायिक
 - वैशेषिक
 - साख्य
 - बौद्ध
- (44) "षड्धातु पञ्चमहाभूत तथा आत्मा के संयोग से गर्भ की उत्पत्ति होती है" – ये किस प्रमाण का उदाहरण है ?
- युक्ति प्रमाण
 - अनुमान प्रमाण
 - उपमान प्रमाण
 - प्रत्यक्ष प्रमाण
- (45) 'आकाश का कमल सुगन्धित है' – ये कौनसा हेत्वाभास है ?
- सव्यभिचार
 - आश्रयासिद्ध हेत्वाभास
 - स्वरूपासिद्ध हेत्वाभास
 - व्याप्यत्वासिद्ध
- (46) 'चक्षु' है ?
- इन्द्रिय
 - इन्द्रियाधिष्ठान
 - इन्द्रियार्थ
 - इन्द्रिय द्रव्य
- (47) मिलान कीजिए ?
- | | |
|---------------------|----------------|
| (1) आत्मा | (A) 9 वीं सदी |
| (2) मन | (B) 13 वीं सदी |
| (3) चिकित्सीय पुरुष | (C) 12 वीं सदी |
| (4) लिङ्ग शरीर | (D) 11 वीं सदी |
- (1) – B, (2) – A, (3) – D, (4) – C
 - (1) – A, (2) – B, (3) – D, (4) – C
 - (1) – B, (2) – A, (3) – C, (4) – D
 - (1) – A, (2) – B, (3) – C, (4) – D
- (48) 'आहार, स्वप्न तथा ब्रह्मचर्य' – किस आचार्य के अनुसार त्रयउपस्तम्भ है ?
- चरकानुसार
 - सुश्रुतानुसार
 - अष्टांग संग्रहानुसार
 - अष्टांग हृदयानुसार

- (49) ऋतु हरीतकी अनुसार 'ज्येष्ठ-आषाढ' में हरीतकी का सेवन निम्नलिखित अनुपान के साथ करना चाहिए ?
- शर्करा
 - गुड
 - सैन्धव
 - पिप्पली
- (50) 'मोक्षे निवृत्तिर्निःशेषा योग मोक्षप्रवर्तक' – किस आचार्य ने कहा है ?
- आचार्य चरक
 - पातञ्जलि योगसूत्र
 - हठयोग प्रदीपिका
 - अष्टांग संग्रह
- (51) 'चिकित्सासंग्रह' के रचयिता है ?
- चन्द्रट
 - चक्रदत्त
 - तीसटाचार्य
 - भट्टारहरिश्चन्द्र
- (52) 'चरकन्यास' के रचयिता है ?
- चक्रपाणिदत्त
 - डल्हण
 - भट्टारहरिश्चन्द्र
 - टोडरमल्ल
- (53) 'आयुर्वेद दीपिका' किस संहिता पर लिखी गयी टीका है ?
- चरक संहिता
 - सुश्रुत संहिता
 - शार्ङ्गधर संहिता
 - भावप्रकाश
- (54) 'चरक संहिता' के तन्त्रकर्ता है ?
- अग्निवेश
 - आत्रेय
 - चरक
 - दृढबल
- (55) औषध तथा भैषज्य में अन्तर सर्वप्रथम किस संहिता में वर्णित है ?
- भावप्रकाश
 - सुश्रुत संहिता
 - काश्यप संहिता
 - शार्ङ्गधर संहिता
- (56) सुश्रुत पर चक्रपाणिदत्त द्वारा लिखी गयी टीका है ?
- निबन्ध संग्रह
 - भानुमती
 - न्यायचन्द्रिका
 - सुश्रुतार्थ संदीपन

- (57) 'लक्षण' पर्याय है ?
(a) रूप
(b) आयुर्वेद
(c) शास्त्र
(d) उपर्युक्त सभी
- (58) विधि जाति का सर्वप्रथम वर्णन किस संहिता में किया गया है ?
(a) चरक संहिता
(b) सुश्रुत संहिता
(c) माधव निदान
(d) अष्टांग हृदय
- (59) जिस विकृति में कारण ज्ञात हो ?
(a) लक्षणनिमित्ता
(b) लक्ष्यनिमित्ता
(c) निमित्तानुरूपा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (60) National Tuberculosis Institute स्थित है ?
(a) बैंगलोर
(b) दिल्ली
(c) भोपाल
(d) चेन्नई
- (61) कौन सी कला सर्वशरीरव्यापिनी है ?
(a) शुक्रधरा कला
(b) श्लेष्मधरा कला
(c) मलधरा कला
(d) रक्तधरा कला
- (62) किस मर्म के विद्धमात्र होने से कालान्तर में मृत्यु होती है ?
(a) क्षिप्र मर्म
(b) अपांग मर्म
(c) श्रृंगाटक मर्म
(d) कूर्चशिर मर्म
- (63) किस स्रोत्रस के विद्ध होने से मृत्यु होती है ?
(a) रसवह स्रोत्रस
(b) प्राणवह स्रोत्रस
(c) अन्नवह स्रोत्रस
(d) उपर्युक्त सभी
- (64) किस माह में गर्भिणी को हृद्य भोजन देना चाहिये ?
(a) पन्चम माह
(b) चतुर्थ माह
(c) द्वितीय माह
(d) तृतीय माह

- (65) 'न ह्यस्थीनी न वा पेश्यो न सिरा न च सन्ध्यः व्यापादितास्तथा हन्युर्यथा.....शरीरिणाम्' रिक्त स्थान की पूर्ति करे
- स्नायु
 - मर्म
 - धमनी
 - प्रतान
- (66) अपची में शिरावेधन करना चाहिये ?
- इन्द्रवस्ति के दो अंगुल नीचे
 - इन्द्रवस्ति के दो अंगुल ऊपर
 - जानुसन्धि के दो अंगुल ऊपर
 - जानुसन्धि के दो अंगुल नीचे
- (67) कौन सा विसर्प रोग एकदेशग्राही होता है ?
- अग्नि विसर्प
 - कर्दम विसर्प
 - ग्रन्थि विसर्प
 - उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (68) दुर्बलाग्नि में दीपनार्थ श्रेष्ठ है ?
- पिप्पली
 - स्नेह
 - शुण्ठी
 - दुग्ध
- (69) 'मनसः सदनं' अर्थात् मानसिक अवसाद लक्षण किस व्याधि में पाया जाता है ?
- वातिक ग्रहणी
 - वातिक अपस्मार
 - वातिक उन्माद
 - चित्तोद्वेग
- (70) 'सर्वधातुक्षयार्तानां देवानाममृतं यथा' – उदररोग के संदर्भ में ये किसके लिये कहा गया है ?
- एरण्ड तैल
 - यवागू
 - दुग्ध
 - घृत
- (71) 'वातरक्तं जयत्याशु त्रिदोषमपि दारुणम्' अर्थात् सन्निपातिक भयंकर वातरक्त को भी शीघ्र शान्त करता है ?
- शियु कषाय
 - अंशुमती कषाय
 - शोभान्जन कषाय
 - बोधिवृक्ष कषाय
- (72) 'लवंग' का वीर्य है ?
- शीत
 - उष्ण
 - शीतोष्ण
 - समशीतोष्ण

- (73) 'अमृता' पर्याय है ?
- हरीतकी
 - छिन्नरूहा
 - अतिविषा
 - वत्सनाभ
- (74) *Cordia dichotoma* की family है ?
- Boraginaceae
 - Bromelliaceae
 - Burseraceae
 - Berberidaceae
- (75) निम्नलिखित में से भल्लातक का शोधन किसमें होता है ।
- गोदुग्ध
 - गोमूत्र
 - गोमूत्र + इष्टिका चूर्ण
 - इष्टिका चूर्ण + उष्णोदक
- (76) किसके फल का प्रमाण 1 कोल होता है ?
- विभीतक
 - हरीतकी
 - पिप्पली
 - गुडूची
- (77) प्रमेह, कुष्ठ, गुल्म, पीनस तथा मन्दाग्नि नाशक है ?
- त्रिकटु
 - त्रिफला
 - विजयसार
 - आमलकी
- (78) मधुरत्रय है ?
- घृत, गुड, शहद
 - घृत, शक्कर, शहद
 - घृत, गुड, शक्कर
 - घृत, गुड, गुन्जा
- (79) 'प्रक्षेप' में चीनी का प्रक्षेप देना हो तो उसका मान होना चाहिए है ?
- सममात्रा
 - द्विगुण मात्रा
 - चौगुनी मात्रा
 - कोई नहीं
- (80) अनुकल्प विधि से निकाला जाने वाला स्वरस है ?
- आर्द्रक स्वरस
 - निम्ब स्वरस
 - ब्राह्मी स्वरस
 - वासा स्वरस

“Answer Sheet”

PRE P.G. (AYURVED) Exam- 2011 (Final Answer)															
Sub. Code - 1102/273-M												SET-C			
Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.	Qu.	Ans.
1	D	11	D	21	C	31	C	41	B	51	*	61	A	71	D
2	A	12	D	22	D	32	B	42	A	52	C	62	A	72	A
3	B	13	A	23	D	33	B	43	B	53	*	63	D	73	*
4	B	14	A	24	B	34	C	44	A	54	A	64	B	74	A
5	A	15	B	25	C	35	A	45	B	55	C	65	A	75	D
6	B	16	C	26	B	36	D	46	A	56	B	66	A	76	C
7	B	17	*	27	*	37	D	47	A	57	D	67	B	77	A
8	D	18	D	28	A	38	A	48	A	58	A	68	B	78	A
9	D	19	B	29	D	39	B	49	B	59	B	69	A	79	A
10	C	20	D	30	A	40	B	50	A	60	A	70	C	80	*

1. * तारांकित उत्तर वाले प्रश्नों को निरस्त किया गया है जिसके बदले व्यापम द्वारा बोनस अंक दिया जावेगा, जो निम्नानुसार है : -

$$\text{कुल प्राप्तांक} = \frac{\text{उत्तरों की संख्या} \times 80}{80 - (\text{निरस्त प्रश्नों की संख्या})}$$